सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

SURYA FOUNDATION

चयनित आदर्श गाँव
नयागाँव - झज्जर (हरियाणा)

- सूर्या संस्कार केन्द्र
- सूर्या यूथ क्लब
- सूर्या सिलाई केन्द्र
- ग्राम सेवा समिति
- स्व-सहायता समूह
- ग्राम गौरव मेला
- वृक्षारोपण महाअभियान
- तालाबों का गहरीकरण
- स्वास्थ्य शिविर
- पशु चिकित्सा शिविर
- गौआधारित जैविक कृषि

suryafoundation1 | suryafnd | surya_foundation | suryafoundation

Website : www.suryafoundation.org

संदेश

चेयरमैन की कलम से..

पद्मश्री
-जयप्रकाश

मेरा गाँव, मेरा बड़ा परिवार

भारत गाँवों का देश है। आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है, खाद्यान्नों की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँव और जमीन पर तो निभरता बढ़ती ही जा रही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में बदलना नहीं बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढाना है। गामवासियों के लिये कमाई, रोजगार के साधन, गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ को काम हो और हर काम के लिये व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। मुख्यत: हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बनें।

सूर्या फाउण्डेशन की उपलब्धियाँ

- ✓ पिछले 25 वर्षों में 2 लाख युवाओं के आवासीय व्यक्तित्व विकास शिविर- PDC
- ✓ देश में सरकारी तंत्र की कार्यशैली को ठीक करने के लिए वर्ष 2002 में सत्याग्रह।
- ✓ सन् 2006 में INO Big Programme जिसमें 3000 नैचुरोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया।
- ✓ 18 नवम्बर 2019, नैचुरोपैथी दिवस के दिन 702 लोगों को एक साथ, मिट्टी स्नान कराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- ✓ पिछले तीन वर्षो में वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 18 राज्यों में 11,000 युवाओं द्वारा 1500 गाँव में 3.5 करोड़ पेड़ (फलदार, छायादार और औषधीय) लगाये गये।
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर 21 जून को 35 लाख लोगो को योगाभ्यास कराया गया।
- ✓ 2016 से प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता एवं लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।
- ✓ 2010 से 500 आदिवासी बच्चों के लिए गुजरात में सूर्या एकलव्य सैनिक स्कूल का संचालन।
- ✓ 2018 से हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के माध्यम से 300 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।
- ✓ 18 सिलाई केन्द्र के माध्यम से 400 बहनों को प्रशिक्षित किया गया।
- ✓ **जैविक कृषि सम्मेलन 2019-20 (एक दिवसीय)**- तीन राज्यों (हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिलीगुड़ी-पश्चिम बंगाल) के 2000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

नयागाँव मे हुए विकास कार्य

- गाँव के 4 कार्यकर्ताओं का सूर्या फाउण्डेशन प्रशिक्षण।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविरों में 174 बच्चों को प्रशिक्षण।
- खेलकूद प्रतियोगिता से 180 युवाओं को खेल से जोड़ा गया।
- महिला दिवस में 117 महिलाओं की सहभागिता।
- जैविक खेती प्रशिक्षण में 106 किसान ने भाग लिया।
- 154 पशुओं का टीकाकरण।
- स्वास्थ्य शिविर लगाकर 90 लागों का चेकअप।
- वृक्षारोपण - फलदार एवं छायादार-1000 पौधे।
- 5 ट्री-गार्ड लगाये गये।
- 10 स्व-सहायता समूह का गठन।
- परिवारों में 120 कूड़ादान दिया गया।
- 3 डस्टबिन विद्यालय में दिये गये।
- सार्वजनिक स्थानों पर 35 डस्टबिन लगवाए गए।
- 11 किसानों ने लिया जैविक खेती का संकल्प।
- गाँव में बारात घर का निर्माण।
- भीमराव अंबेडकर भवन का निर्माण।
- सैनी चौपाल का निर्माण।
- मंदिर में पेय जल की व्यवस्था।
- पूरे गाँव में मीठे पानी की पाईप लाइन बिछाई गई।
- 17 सोलर लाइट लगवाई गई।
- बैठने हेतु सार्वजनिक 10 बेंचों का निर्माण कराया।
- नालियों का पक्कीकरण कराया गया।
- 54 परिवारों में शौचालय का निर्माण।
- सुकन्या समृद्धि योजना-12
- प्रधानमंत्री आवास योजना-2
- मृदा हेल्थ कार्ड - 55
- आयुष्मान कार्ड - 23
- राशन कार्ड -97 परिवार,
- वृद्धा पेंशन - 7

नयागाँव की झलकियाँ

कबड्डी प्रतियोगिता

KBSR प्रतियोगिता

सामूहिक श्रमदान

रंगोली प्रतियोगिता

बोलो हमेशा तोल के हँसो दिल खोल के।

शिक्षा – सूर्या संस्कार केन्द्र

जतिन कुमार
(शिक्षक)

मैंने 2015 में सूर्या फाउण्डेशन की ट्रेनिंग की। ट्रेनिंग के बाद मैंने कुछ छोटे बच्चों को इकट्ठा करके संस्कार केन्द्र की शुरुआत की। सेंटर पर 30 बच्चों का आना शुरू हो गया है। उन्हें अच्छे संस्कार देना जैसे कि बच्चों को गीत याद कराना, योग कराना, ध्यान कराना, प्रार्थना, अपनों से बड़ों के पैर छूने आदि चीजें मैंने बच्चों को सिखायी। बच्चों के घर वालों ने बताया कि हमारे बच्चों में पहले से ज्यादा अनुशासन, आदरभाव, कामों में हांथ बटाना इन सब में सुधार आया है।

पढ़ाई भी सभी अच्छी तरह से करते हैं। पहले माता–पिता जी के पैर भी नहीं छूते थे, अब वे पैर छूते हैं, समय पर स्कूल जाते हैं। सभी को सूर्या फाउण्डेशन के संस्कार केन्द्र में बच्चों को भेजना बहुत अच्छा लगा। उनके प्रति बच्चों में अच्छी भावना आयी। बच्चे पढ़ते तो है ही साथ में उन्हें महापुरुषों के बारे में बताया जाता है। सभी ग्रामवासी सूर्या फाउण्डेशन की बहुत प्रशंसा करते हैं।

सूर्या संस्कार केन्द्र में ध्यान कराते हुए

युवा निर्माण – सूर्या यूथ क्लब

गौरव कुमार
(शिक्षक)

मैंने 2016 में सूर्या फाउण्डेशन से ट्रेनिंग की जिससे कि मेरा मानसिक व शारीरिक विकास हुआ। मुझे अपने जीवन में एक लक्ष्य मिल गया और मैंने वहाँ से आने के बाद कुछ युवाओं को साथ लेकर सूर्या यूथ क्लब शुरू किया। पहले मैंने कबड्डी, वॉलीबाल, इंडोर खेलों के बारे में युवाओं को पूरी तरह से जानकारी दी। मैंने एक कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े स्तर पर किया जिसमें 7 गाँव की टीमों ने भाग लिया। गाँव के और युवाओं ने भी हमारे सेंटर पर आने की इच्छा जाहिर की। मैंने 30 युवाओं का अपने सेंटर पर रजिस्ट्रेशन किया उन युवाओं के माता-पिता भी मुझसे बहुत खुश हुए ऐसा सेंटर पहली बार उस गाँव में चला जिसके लिए वे सूर्या फाउण्डेशन का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया।

सूर्या यूथ क्लब पर वालीवॉल खेलते हुए

नयागाँव में विजेता खिलाड़ी को सम्मानित करते हुए

किसान गोष्ठी कार्यक्रम

महिलाओं को सम्मानित किया गया

नयागाँव में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम मनाया गया

महिला सशक्तिकरण – सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

मैं एक साल से नि:शुल्क सिलाई केन्द्र चला रही हूँ। मैंने छोटी-छोटी बहनों के साथ शुरुआत की जिनको सिलाई केन्द्र के बारे में कुछ भी नहीं आता था। उनको मैंने पहले कागज पर कटिंग करना, काज बनाना सिखाया। धीरे-धीरे सिलाई का काम दिया। कुछ दिन बाद बहने कमीज और पजामा सिलना सीख गई।

इन सब चीजों को गाँव की अन्य बहनों ने देखा तो उन्हें भी सिलाई सीखने की इच्छा हुई। वे भी सेंटर पर आने लगी जिससे कि आज मेरे सेंटर की संख्या 22 है। मैं उन्हें कमीज, पजामा, ब्लाउज, पेटीकोट, बनियान आदि चीजें सिलना सिखाती हूँ। इससे सभी सिलाई सीख कर अपना रोजगार कर आमदनी कर सकती हैं। सिलाई सेंटर से 30 बहनें सिलाई सीख चुकी हैं और अपने घर पर

ममता देवी
सिलाई शिक्षिका
नयागाँव

सिलाई से स्वावलंबन की ओर

मीना देवी
सिलाई प्रशिक्षिका

सूर्या फाउण्डेशन की ओर से नयागाँव में सिलाई केन्द्र चलता है। सिलाई सिखाने के लिए ममता दीदी आती हैं। उन्होंने पहले 18 महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण दिया था। मैंने भी सिलाई केंद्र पर जाना प्रारंभ किया और आज मैं घर पर ही रह कर सूट, सलवार, ब्लाउज, पेटीकोट और थैले बनाने का भी प्रशिक्षण देती हूँ। मैंने घर पर ही रह कर कोरोना वाइरस से बचने के लिये नि:शुल्क मास्क बनाकर वितरण भी किया। सिलाई सीखने के बाद मुझे घर पर ही कमाई का साधन मिल गया। मैं ममता दीदी और सूर्या फाउण्डेशन का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ।

स्वयं सहायता समूह : छोटी बचत – बड़ा काम...

निर्मला
अध्यक्ष :-
शिवाय स्व-सहायता समूह

मैं शिवाय स्व-सहायता समूह के अध्यक्ष के पद पर हूँ। मेरे समूह को बने 15 महीने हो चुके है। हमारा ग्रुप बनाने में सूर्या फाउण्डेशन का बहुत बड़ा योगदान है, जिन्होंने हमें इसके लाभ के बारे में बताया। अपनी छोटी-छोटी बचत जमा करने की सलाह मानकर हम ग्रुप के सभी सदस्यों को फायदा हुआ है। रोजगार शुरू करने के लिए बैंक से लोन मिला। मैंने अपने घर पर ही बैग बनाने का काम शुरू किया। जिससे कि जो महिलाएं शहर से बैग लिया करती थी वह उन्हें गाँव में ही बैग मिल जाता है। जिससे गाँव में प्लास्टिक थैलों का प्रयोग बहुत कम होता है। इस काम को शुरू करवाने के लिए मैं संस्था का आभार व्यक्त करती हूँ।

आदर्श गाँव के मुख्य आधार स्तंभ

1. **शिक्षा**– गाँवों की साक्षरता 100% सुनिश्चित करना। गाँव में सभी शिक्षित व संस्कारित हो।
2. **स्वास्थ्य**–योग, नैचुरोपैथी यानि प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद से, खान–पान से स्वस्थ बनें।
3. **स्वावलंबन**–स्व–सहायता समूह द्वारा महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देना।
4. **स्वच्छता**–गाँव, घर साफ–सुथरा हो, घर–घर में शौचालय हो। सभी मिलकर श्रमदान करें।
5. **समरसता**–सभी जाति, वर्ग के लोग मिल–जुलकर रहें, आपसी भाईचारा बढ़े।
6. **सेवा**– नर सेवा–नारायण सेवा। समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव। दूसरों का भला सोचें।
7. **स्कीम**–सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति, परिवार को मिले ऐसा प्रयास करें
8. **स्पोर्ट्स (खेलकूद)**–युवा शक्ति को खेलकूद, व्यायाम के माध्यम से सबल व अनुशासित बनाना।

सेवा कार्यों मे लगे कार्यकर्ता

• भँवर सिंह	क्षेत्र प्रमुख	9811329872
• सत्रुहन लाल	सह क्षेत्र प्रमुख	9991075121
• अरुण कुमार	पूर्णकालिक कार्यकर्ता	7983964125
• जतिन सैनी	यूथ क्लब शिक्षक	8708571768
• गौरव कुमार	संस्कार केन्द्र शिक्षक	9812536659
• ममता देवी	सिलाई शिक्षिका	8199003768
• रामअवतार	सेवाभावी	8307085597

नशा छोड़ो घर को जोड़ो।

आदर्श गाँव की ओर बढ़ रहा है...

नयागाँव

हरियाणा राज्य के झज्जर जिला बहादुरगढ़ शहर से 4 किमी. दूर नयागाँव है। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव में 2013 से संस्कार केन्द्र व यूथ क्लब शुरू हुआ। मैंने सूर्या संस्कार केन्द्र पर देखा कि बच्चे बहुत ही अनुशासित हैं। उन्हें अच्छी शिक्षा दी जाती है।

पहले गाँव में महिलाएँ एक घर से दूसरे घर नहीं जाती थी। महिला सशक्तीकरण को बढ़ाने के लिए स्व-सहायता समूह का गठन किया गया जिससे महिलाएँ घर से बाहर ही नहीं निकली बल्कि विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में सक्रियता और भागीदारी भी दिखी। गाँव में स्व-सहायता समूह के माध्यम से ग्राम संगठन का निर्माण हुआ। अब किसी प्रकार के सामाजिक या संस्कृतिक कार्यक्रम में गाँव की महिलाओं की अहम भूमिका रहती है।

गाँव में सभी 10 समूहों की अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव की बैठक एक साथ होती है, जिससे कि गाँव में किसी भी समूह को जो भी अनुदान मिला है उसकी जानकारी सभी समूहों में हो सके, और वे आगे कार्य बढ़ा सकें।

संगठन की महीने में दो बार बैठक होती है। इसमें ब्लॉक अधिकारी आकर जानकारी देते हैं। हमारे गाँव में सिलाई केन्द्र है। महिलाएँ सिलाई सीखने के बाद उन्होंने अपना रोजगार शुरू किया है, वह प्रत्येक दिन के 200 रुपये की आमदनी कर लेती हैं। यहाँ के सेवाभावी हमारा बहुत सहयोग करते हैं और हमारे हर कार्यक्रम में आगे आकर हमारा सहयोग करते हैं।

आज गाँव के सभी महिला, पुरुष, बच्चे स्वावलंबन की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

अरुण कुमार
सेवा कार्यकर्ताः नयागाँव

गाँव में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित गतिविधियाँः-

- संस्कार केन्द्र
- यूथ क्लब
- सिलाई केन्द्र
- पुस्तकालय
- भजन मण्डली
- ग्राम विकास समिति
- युवा समिति
- स्व-सहायता समूह

होंगे कामयाब

नयागाँव के बदलाव में सूर्या फाउण्डेशन की अहम भूमिका

शत्रुहन् लाल
सह प्रान्त प्रमुखः हरियाणा

नयागाँव बहादुरगढ़ से 4 किलोमीटर दूर, जिला झज्जर-हरियाणा में स्थित है। यहाँ लंबे समय से सूर्या फाउण्डेशन का काम चल रहा है। 2015 से नयागाँव को विशेष रूप से फोकस किया गया। गाँव में बरकत अली का शासन था, इसी कारण इसका बीरबरकता बाद नाम पड़ा। 1947 के बाद यहाँ से बरकत अली पाकिस्तान भाग गए और यहाँ कुछ नये लोग आकर बस गए, जिसके कारण आज इस नयागाँव के नाम से जानते है। पहले नयागाँव का नाम लेते थे तो लूटमार, लड़ाई-झगड़े वाला गाँव ऐसा परिचय दिया जाता था। लोग कहते थे कि- आए दिन लड़ाई होती रहती है, मारपीट होते रहते हैं, चोरी होती रहती है। इस प्रकार की घटनाओं के कारण गाँव की पहचान थी।

नयागाँव में सूर्या संस्कार केन्द्र और सूर्या यूथ क्लब से छोटे-छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता आनी शुरु हो गयी, लोगों में भाईचारा की भावनाएं विकसित होने लगी। कोई भी कार्यक्रम या त्योहार सभी मिलजुल कर मनाते हैं। गाँव में समरसता देखने को मिल रही है। बच्चों में शिक्षा और संस्कार दोनों का विकास हुआ है। बच्चे अच्छे नंबरों से पास होने लगे हैं। संस्कार केन्द्र में पहले एक ही समुदाय के बच्चे आते थे लेकिन आज हर समुदाय के भैया बहन केंद्र में आते हैं। युवाओं में भी सूर्या यूथ क्लब के माध्यम से खेलकूद के प्रति जागरूकता बढ़ी है। समय-समय पर खेलकूद का आयोजन करते हैं। महिला स्वालंबन के लिए स्व-सहायता समूह का गठन किया गया। छोटी-छोटी बचत शुरू की और अपने बचत बैंक में जमा करने लगे। समूह की सक्रियता को देखकर बैंक ने 1 लाख का लोन दिया और महिलाओं ने लोन के माध्यम से स्वरोजगार के लिए कार्य करती हैं। गाँव में समूह बनाने की जैसे होड़ सी लग गई। आज 10 स्व-सहायता समूह है, जिसके माध्यम से 115 महिलाएं जुड़ी हैं और कुछ बहनें स्वरोजगार भी शुरु कर दिया है।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा निःशुल्क सिलाई केन्द्र खोलकर गाँव की महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान किया है। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ में सहयोग किया गया। समय समय पर कृषि सम्मेलन और पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है।

गाँव में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आई है। लोग स्वयं अपने घर के साथ-साथ आसपास की सफाई करते हैं। गाँव की मंदिर समिति सक्रिय नहीं थी, सूर्या फाउण्डेशन द्वारा नवरात्र में कलश यात्रा निकाली गई। आज मंदिरों में सामूहिक पूजापाठ के साथ भजन कीर्तन हो रहे है। व्यक्तित्व विकास शिविर कार्यक्रम के माध्यम से जन प्रतिनिधि को बुलाया गया। उन्होंने कक्षा 8वीं तक के स्कूल को 12वीं तक करने की घोषणा की। इस प्रकार सूर्या फाउण्डेशन के कार्यों से काफी विकास के काम हुए है। बिजली, पानी और अन्य प्राथमिक सुविधाओं का पर्याप्त विकास हुआ है और आज नयागाँव आदर्श गाँव के रूप में निखरने लगा है।

नयागाँव की खबरें अखबारों में

सूर्या फाउण्डेशन एंव इंटरनेशनल नैचूरोपेथी संस्था ने मनाया महिला दिवस व होली मिलन समारोह

हैलो बहादुरगढ़। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सूर्या फाउंडेशन एंव इंटरनेशनल नैचूरोपेथी ओगनाईजेशन द्वारा नया गांव की सैनी चौपाल में महिला सम्मान समारोह एंव होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत मां की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित करके की हुई। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शुभद्रा घरोटे इंटरनेशनल नैचूरोपेथी ओनाईनेशन व विशिष्ट अतिथि नया गांव सरपंच अंजू सैनी, पूनम सहरावत योगाचार्य आई एन ओ, गुरूमीत आई एन ओ, नया गांव आंगवाड़ी से सुशीला कार्यक्रम में पहुँची।

सूर्या फाउंडेशन एवं इंटरनेशनल नैचूरोपेथी ओगनाईजेशन परिवार द्वारा पटका पहनाकर स्वागत किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता शत्रुघन लाल कश्यप सह-प्रांत प्रमुख सूर्या फाउंडेशन द्वारा की गई। महिला सम्मान समारोह एंव होली मिलन कार्यक्रम में गांव की महिलाओं द्वारा +बेटी बचाओ बेटी पढाओ पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गए। नैना रानी ने तू कितनी अच्छी है तू कितनी प्यारी है गाना गाया। वहीं गांव की एक महिला ने +कोमल है कमजोर नहीं कविता सुनाई तथा बच्चों ने पंजाबी व हरियाणवी गानो पर डांस भी किया। योगाचार्या पूनम ने योग व मेडीटेशन के बारे में बताया। वही महिला दिवस के साथ-साथ होली मिलन समारोह मनाया। जिसमे गांव की महिलाओं ने रंग-गुलाल व फूलों के साथ प्यार प्रेम से होली खेली।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पेन-कापी देकर सम्मानित किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस व होली मिलन समारोह कार्यक्रम को लेकर महिलाएं काफी उत्साहित नजर आई। इस कार्यक्रम में सूर्या फाउंडेशन से शत्रुघन कश्यप, अरुण राजपूत, विनोद शर्मा, जतिन, मंजू रेखा, निर्मल, अंजू, ...लता आदि मौजूद रहे।

नयागांव प्रशिक्षण केन्द्र को मिली नई सिलाई मशीनें

बहादुरगढ़ | सूर्या फाउंडेशन की आदर्श गांव योजना के अंतर्गत नयागांव में संचालित सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में नया सिलाई मशीने दी गई। सूर्या फाउंडेशन के सहप्रांत प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप ने बताया कि सूर्या सिलाई केंद्र पिछले एक साल से गांव में संचालित है। जिसे ममता प्रशिक्षिका के रूप में गांव की अन्य महिलाओं को सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण दे रही है। सूर्या फाउंडेशन द्वारा मार्च 2017 में शिवशक्ति महिला स्वयं सहायता के नाम से एक समूह का निर्माण किया गया था और जब छह माह बाद समूह को बैंक से एक लाख का लोन मिला और स्वरोजगार हेतु गाय लेकर दूध बेचने का काम शुरू किया।

यूथ क्लब ने मनाई नेताजी की जयंती

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन की ओर से संचालित आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत पूरे देश में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई जा रही है। इसी क्रम में बहादुरगढ़ के आसपास संचालित संस्कार केंद्रों और यूथ क्लब के सदस्यों द्वारा सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। सह प्रांत प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप ने बताया कि सांखोल सैनिक नगर, नयागांव, प्रकाशनगर, जखोदा और रोहद में सुभाष चंद्र बोस जयंती मनाई गई।

नया गांव में फाउंडेशन ने दी सिलाई मशीन

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत शुक्रवार को नया गांव में संचालित सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में सिलाई मशीन भेंट की गई। फाउंडेशन के सहप्रांत प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप ने बताया कि सूर्या सिलाई केंद्र पिछले एक साल से गांव में संचालित है जिसे समूह की सदस्य ममता गांव की अन्य महिलाओं को सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण दे रही हैं। सूर्या फाउंडेशन गांव में शिव शक्ति महिला स्वयं सहायता के नाम से एक समूह का निर्माण किया गया था और जब छह माह बाद समूह को बैंक से एक लाख का लोन मिला और वे स्वरोजगार हेतु गाय लेकर दूध बेचने का काम शुरू किया। इसके बाद गांव की अन्य महिलाओं में भी जागरूकता आई और अब आठ समूह बन गए हैं। सभी को 15-15 हजार की अनुदान राशि के साथ बैंक से लोन भी मिला और सभी समूह की महिलाएं आज स्वरोजगार के लिए कार्य कर स्वावलंबन की ओर बढ़ रही हैं। इसमें एनआरएलएम के कार्यकर्ता जयशंकर, अंजू, सरिता, मनीष का भी विशेष योगदान रहा। इस मौके पर समूह की अध्यक्ष रेखा सैनी, अरुण ग्राम सेवक, विनोद, जतिन, सरोज, ललिता, ममता, सुदेश मौजूद रही।

महिलाओं को दिए 43 कूड़ादान

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत चल रही बाल विकास केंद्र और यूथ क्लब द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर नयागांव सांखोल, कसार, रोहद, जाखोदा और प्रकाश नगर में विभिन्न कार्यक्र का आयोजन किया गया। इसमें की नयागांव के महिलाओं द्वारा स्वच्छ अभियान चलाया गया और सूर्या फाउंडेशन द्वारा चार स्वयं सहायता समूह की 43 महिलाओं को कूड़ादान दिया गया। संस्कार केंद्र के भा बहनों को शत्रुहन लाल कश्यप सह प्रांत प्रमुख हरियाणा ने मेजर ध्या चंद की जीवन परिचय के साथ उन्हें हॉकी का जादूगर क्यों कहां जा के बारे मे जानकारी दी। इसी प्रकार प्रकाश नगर में भी खेल दिवस प दौड़ प्रतियोगिता कराया गया। जिसमें प्राची प्रथम, श्रेया द्वितीय और ह तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि के रूप में प्रमोद कु ने कहा कि खेलकूद से बच्चों की शारीरिक के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है। इस आयोजन में सुभाष सहारे, अजीत सिंह, वि शर्मा, सत्यम कुमार, चंद्रशेखर, संजय, जतिन, रवीना, अंजू, धर्मवीर, आदि का विशेष योगदान रहा।

शीत कालीन खेल प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत चल रहे शीत कालीन खेल प्रतियोगिता में आज वरिष्ठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नयागांव में प्रधानाचार्य अनिल शर्मा सहप्रांत प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप और फिजिकल टीचर निधि जी द्वारा शुभारम्भ किया गया। खेल प्रतियोगिता में आज वालीबॉल प्रतियोगिता कराया गया जिसमें नौवीं और दसवीं तथा 11वी और 12वीं कक्षा के बीच खेला गया जिसमें 12वी और 9वी कक्षा की टीम विजय रहा। प्रधानाचार्य ने कहां कि खेल जीवन के लिए अति आवश्यक है खेल से जीवन में अनुशासन और प्रतियोगिता लाती है। खेल खेल से कब हमारे अंदर भाईचारा और नेतृत्व क्षमता का विकास हो जाता है पता ही नहीं चलता। शिक्षिका निधि ने कहां की खेल से शरीर स्वस्थ और मांस पेशिया मजबूत बनता है। और स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। शत्रुहन लाल कश्यप ने कहां की फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के तहत हर वर्ष शीत कालीन खेल प्रतियोगिता का आयोजन करता है। कश्यप ने आगे कहा कि आज खेल के क्षेत्र में युवाओं के लिए एक उज्जवल भविष्य हेतु सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। जीवन के विकास में खेल उतना ही आवश्यक है जितने की जीवन जीने के हेतु भोजन आवश्यक है। सूर्या फाउंडेशन द्वारा वालीबाल, कबड्डी, फुटबाल, दौड़, सूर्य नमस्कार और नीबू दौड़ के साथ कुर्सी दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर अरुण राजपूत पूजा शर्मा, गीता एवम् अन्य स्कूल स्टॉप का विशेष सहयोग रहा।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा नयागाँव में किया गया किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

सिद्धार्थ राव ,बहादुरगढ़ । सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत आज नयागाँव मे किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि विभाग से डॉक्टर अशोक रोहिल्ला, एडीओ प्लांट प्रोटेक्शन ,बहादुरगढ़, रोहित वत्स, सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली से आए श्री प्रमोद आसरे आदर्श ग्राम योजना एवं एचआर मैनेजर, सरपंच जगबीर सैनी और श्रीमान् राजेंद्र जी झींझोली ने भारत माँ के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया व कार्यक्रम की शुरुआत मे दिल्ली से आये अधिकारी प्रमोद आसरे ने सूर्या फाउंडेशन की विभिन्न प्रकल्पों के साथ गांव गांव में इसप्रकार के जागरूकता शिविरों के अयोजन पर प्रकाश डाला और कहां की फाउंडेशन का उद्देश्य है गाँव मे गरीब किसान भाईयो को सरकार की योजनाओं की जानकारी कराना व उन्हे योजनाओं का लाभ पहुँचाना है।

कृषि विभाग से आये डॉ अशोक रोहिल्ला ने बताया की 70 – 80 के दशक में हमारे देश में जनसंख्या अत्याधिक बढ़ रही थी हमारे लिए खाद्यान्न दूसरे देशों पर निर्भर थे व खाद्यान्न फसल पूर्ति के लिए हमें रासायनिक फर्टिलाइज़र का प्रयोग किया जिससे हम खाद्यान्न फसल उत्पादन में तो आत्मनिर्भर हुए पर साथ ही रासायनिक खाद के लगातार प्रयोग से मृदा का स्वास्थ्य खराब हुआ और साथ ही साथ हमारे खान पान में हानिकारक तत्व भोजन के माध्यम से लगातार जाते रहे व जिससे हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा और हम विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त हो गए और उन्होंने कहा कि आज रासायनिक खादे हमें विवेक पूर्ण तरीके से इस्तेमाल करना है जिससे कि होने वाले दुष्प्रभाव से बच सकें, उन्होंने साथ ही सरकार की किसानों के लिए चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया और बताया कि हमें मृदा परीक्षण के बाद ही उर्वरक का इस्तेमाल करना चाहिए व जिससे हमारे मित्र कीट खेत में पर्याप्त मात्रा में जीवित रह सकें व इसके उपरांत डॉक्टर रोहित वत्स ने बताया कि सरकार द्वारा कृषि यंत्रों पर दी जा रही सब्सिडी का लाभ अगर किसान ग्रुप बनाकर आसानी से इसका लाभ उठा सकते हैं और कार्यक्रम के अंत में झिंझोली सोनीपत से आए प्राकृतिक खेती कर रहे सफल किसान श्रीमान राजेंद्र जी ने प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से किसान भाइयों को बताया और साथ ही पास के गांव जगदलपुर से सफल किसान हरि ओम जी ने अपने अनुभव किसानों के बीच साझा की इस मौके पर मुख्य रूप से अजीत संजय दलाल धर्मवीर गौरव जतिन पवन पूनिया विनोद सैनी रघुनाथ जी बलवीर सिंह जी आदि उपस्थित रहे।